भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 09 अंक 6

नवम्बर 2017

अनुक्रमणिका

पृ.सं.

1. महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
2. विदेश दौरा
3. परामर्शी
3. प्रशिक्षण कार्यक्रम
6. कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
7. राजभाषा समाचार
7. जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम
7. पुरस्कार
7. वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला
8. विविध
9. आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना
9. सूचना प्रौद्योगिकी पहल
9. अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलाप
9. वन विज्ञान केंद्र एवं प्रदर्शन ग्रामों के अंतर्गत कार्यकलाप
9. मानव संसाधन समाचार

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, (व.अ.सं.) देहरादून

- खोई के रासायनिक जल अपघटन से अधिकतम अपचायी शर्करा के निष्कर्षण से कागज बनाने हेतु पूर्व निष्कर्षित अवशेषों की प्रामाणिकता बनाये रखते हुए बायो–इथेनॉल का इष्टतमीकरण किया गया।
- विभिन्न निष्कर्षण मानकों का प्रयोग करते हुए *पाइनस रॉक्सबर्गाई* के सूचिकाओं से हेमीसेलूलोज को पृथक् किया गया। मानव जाति के लाभ हेतु यह उत्पाद अत्यधिक उपयोगी है।
- 7 वन प्रकारों के 16 ट्रांसेक्ट्स में प्रतिदर्श सर्वेक्षण किये गए तथा तितलियों एवं अन्य आधाररेखीय प्राचलों पर कीट नमूने एवं आँकडे एकत्रित किए गए। ट्रांसेक्ट्स के साथ–साथ दो वन उप प्रकारो के वृक्षों एवं शाकों के वानस्पतिक सर्वेक्षण किए गए और हर्बोरियम तैयार किये गए। शोध क्षेत्र (केदारनाथ कस्तूरी मृग आरक्षित वन) से 7 विभिन्न वन प्रकारों के जी.आई.एस. मानचित्र तैयार किए गए। प्रयोगशाला में दो प्रजातियों के जीवन इतिहास पर अध्ययन किया गया।
- उत्तराखंड के केदारनाथ वन्य जीव अभयारण्य में चमोली एवं रूद्रप्रयाग जिले में बन, मोरू एवं खारसू बांज के नाशीकीट एकत्रित किए गए। प्रयोगशाला में 9 कीटों (लेपीडोप्टेरा की 5 प्रजातियां) वन बाँज पर सिरेम्बिसिडई छिद्रक (कोलियोप्टैरा) की एक प्रजाति का मोरू बाँज पर, पैरासाइटोइड्स (परजीवियों) की 3 प्रजातियों के जीवन चक्र पर कार्य प्रगति पर है। प्रयोगशाला में कीटों को प्राकृतिक परिवेश प्रदान कर शोध हेतु पालन–पोषण किया जा रहा है।
- प्रत्येक केबिनेट के सम्पूर्ण दराजों का डिजिटलीकरणः 30 केबिनेटों के 600 दराजों के कीटों के चित्र खींचे गए, सम्पूर्ण चित्रों का फोटोशॉप संपादन किया गया। छोटे कीटो का डिजिटलीकरण प्रक्रिया के अन्तर्गत 100 प्रजातियों का एस.एम.जेड.–16 स्टीरियो जूम सूक्ष्मदर्शी पर ऑटोमोंटेज 3डी चित्रण प्रणाली द्वारा डिजीटलीकरण किया गया। फोटोग्राफ किए गए कीट का विवरण अभिलिखित किया गया तथा भविष्य के संदर्भ के लिये कीट को चिन्हित किया गया। राष्ट्रीय वन कीट एकत्रण (एन.एफ.आई.सी.) आंकड़ा भण्डार का भी अद्यतनीकरण किया जा रहा है।
- यमुना मंडल के टोंस वन प्रभाग एवं उच्च यमुना वन प्रभाग में वनाग्नि के पश्चात के प्रभाव हेतु क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। प्रयोगशाला विश्लेषण हेतु 57 मृदा नमूनें एवं 36 सघन घनत्व की मृदा के नमूने एकत्रित किए गए। नौ मृदा नमूनों का फॉस्फोरस जाँच हेतु विश्लेषण

किया गया तथा सघन घनत्व हेतु 14 मृदा नमूने विश्लेषित किए गए।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, (शु.व.अ.सं.,) जोधपुर

- पश्चिमी राजस्थान फेस –II में जलवायु परिवर्तन के शामन अनुकूलन एवं न्यूनीकरण पर एम पावर कार्यक्रम के प्रभावों पर अध्ययन किया गया। सिरौही, पाली, जालौर, जैसलमेर, जोधपुर एवं बाड़मेर जिले में स्थित आबूरोड, बाली, संचोर, शंकर, बाप एवं बैतू ब्लॉकों में 1792 घरों का सर्वेक्षण किया गया। ऐसा पाया गया कि बागवानी प्रजातियों के पौध–रोपण में कृमि खाद एवं जैवीय खाद का प्रयोग कृषि भूमि में मृदा कार्बन भण्डारण में वृद्धि कर रहे है। मृदा कार्बन भण्डार ब्लाकों के मध्य आरोही क्रम में बेतू< शंकर< बाप< संचोर< बाली< आबू रोड तथा भू–उपयोग बंजर भूमि< सड़क के किनारे की भूमि< गौचर< ओरान< कृषि भूमि< वन, इस क्रम में पाये गये। भूमि अधिग्रहण में वृद्धि, प्रतिघर पशुधन संख्या, उपले तथा फसल अवशेषों के उपयोग ने मृदा जैव कार्बन भण्डार (एस.ओ.सी.) पर नकारात्मक प्रभाव दिखाया है।

विदेश दौरे

अधिकारियों का नाम	संस्थान	दौरे का उद्देश्य	समयावधि	स्थान
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक डॉ. सविता, निदेशक व.अ.सं., देहरादून श्री वी.आर.एस. रावत सहायक महानिदेशक, जै.ज.प., भा.वा.अ.शि.प.	भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय,,देहरादून एवं व.अ.सं., देहरादून	यू एन एफ सी सी, बॉन (जर्मनी) के सी ओ पी 23	9 नवम्बर 2017	बॉन (जर्मनी)
डॉ. विनीत कुमार, वैज्ञानिक–एफ	व.अ.सं., देहरादून	विकासशील देशों में उत्पादनशील एवं संवहनीय भूमि उपयोग प्रणाली हेतु कृषि में त्वरित एवं अनुकूल तकनीक	6 से 13 नवम्बर 2017	जर्मनी

परामर्शी

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

- टिहरी हाइड्रो विकास कार्पोरेशन, इंडिया लि. हिमाचल प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड , कर्नाटक राज्य सरकारी प्राधिकरण, उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड, प.व.ज.प. मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन टी पी सी लिमिटेड, नोएडा, सी एम पी डी आई, रांची, एवं एन एम डी सी लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा प्रदत 9 परामर्शी परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।
- कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता द्वारा पर्यावरणीय निष्पादन हेतु चयनित 35 खानों की तृतीय पक्ष खदान लेखा परीक्षा तथा पर्यावरण जलवायुवीय स्थितियों के पूर्ण होने के विषय में पर्यावरण स्थिति और निष्पादन मूल्यांकन तथा पर्यावरण निष्पादन सूची दर हेतु विकास, प्रयास/पहुँच एवं प्रविधियों पर कार्य का उत्तरदायित्व भा.वा.अ.शि.प. को दिया गया।

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरू

- रांची, (रांची लोहारधर्गा राजमार्ग) में स्थानांतरित किए जाने वाले वृक्षों के स्वास्थ्य आकलन हेतु 27 से 30 नवम्बर 2017 तक वृक्षों के प्रत्यारोपण हेतु एन एच ए आई परामर्शी परियोजना के अंतर्गत विस्तृत सर्वेक्षण किया गया।
- मै. मैत्री अपार्टमेंटस मल्लेश्वरम, बंगलुरू में 23 नवम्बर 2017 को सिल्वर ओक वृक्षों के स्वास्थ्य स्तर पर एक परामर्शी अनुसंधान अन्वेषण का कार्य किया गया।
- आंध्र प्रदेश वन विभाग, गुतुंर द्वारा प्रदत्त, आंध्र प्रदेश राज्य में काष्ठ संतुलन अध्ययन पर एक तीन दिवसीय परामर्शी प्रारंभिक/पाइलट सर्वेक्षण किया गया। परामर्शी के अंतर्गत चितूर जिले के पूर्व, पश्चिम एवं सामाजिक वानिकी प्रभागों, काष्ठ भण्डारों एवं आरा मिलों से काष्ठ एवं ईंधन काष्ठ सूचना/जानकारी पर यह परामर्शी सर्वेक्षण किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

सं.	शीर्षक	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	कृषि वानिकी पद्धतियों का विकास	14–16 नवम्बर 2017	उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं हरियाणा के काष्ठ प्रौद्योगिकीविद् संगठन के प्रतिनिधि किसान, गैर सरकारी संगठन (एन जी ओ), विद्यार्थी एवं अध्यापक
2.	भा.व.से. अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	13–17 नवम्बर 2017	विभिन्न राज्यों के 16 भा.व.से. अधिकारी
3.	संवर्धन/वानिकी	20 से 25 नवम्बर 2017	ईको–टास्क फोर्स (8वी. बी.एन.) टेरीटोरियल आर्मी
4.	प्लाईकाष्ठ उत्पादन	30 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2017	
5.	संवहनीय उत्पादन हेतु मृदा का महत्व	8 से 10 नवम्बर 2017	

कृषि वानिकी पद्धतियों के विकास पर प्रशिक्षण

भा.व.से. प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवर्धन/वानिकी पर प्रशिक्षण

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

6.	जैव उर्वरकों का उपयोग	3 दिन	विद्यालयों के शिक्षक, कॉलेजों के प्रवक्ता व प्राध्यापक, एन.जी.ओ. जैसे 27 अन्य हित धारक

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरू

7.	चंदनकाष्ठ में एकीकृत नाशीकीट एवं रोग प्रबंधन	3 नवम्बर 2017	किसान, शोधार्थी एवं वन विभाग जैसे विविध क्षेत्रों से 30 हितधारक
8.	महत्वपूर्ण प्रकाष्ठों की क्षेत्र–पहचान	20–24 नवम्बर 2017	

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

9.	राउरकेला स्टील प्लांट, ओडिशा में वनीकरण के माध्यम से कार्बन पृथक्करण	8 से 10 नवम्बर 2017	स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लि. के 30 अधिकारी एवं कर्मचारी
10.	जी जी यू विश्वविद्यालय के बी.एस.सी.वानिकी सत्र 7 के विद्यार्थियों हेतु आयोजित संस्थागत प्रशिक्षण	13 से 24 नवम्बर 2017	गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के 39 छात्र

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

11.	समुदायों से संबंधित आजीविका हेतु बांस संसाधनों का विकास	06 से 10 नवम्बर 2017	देश के विभिन्न भागों से 20 अधिकारीगण
12.	वृक्ष सुधार, संवर्धन, बांस की खेती, प्रसार, नर्सरी प्रबंधन, मूल्य संवर्धन एवं बांस संरक्षण तकनीकियां	15 नवम्बर 2017	राज्य वन सेवा केंद्रीय अकादमी, (कैसफोस), बर्निहाट, असम के 30 वन रेंज अधिकारी
13.	भूकंपीय स्थिति स्थापन हेतु बांस की खेती एवं संरक्षण	15 से 16 नवम्बर 2017	
14.	कृमि खाद (वर्मीकंपोस्टिंग)	20–24 नवम्बर 2017	बी.आई.एस.ए. एग्रो प्राईवेट लि., बोर्दुमसा, चंगलंग के किसान

15.	अनुश्रवण, प्रतिवेदन एवं प्रमाणन में रेड+ के साधनों पर क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण	27, 28 एवं 30 नवम्बर 2017	राज्य वन विभाग एवं मिजोरम के समुदायों से 30 प्रतिभागी

समुदायों के जीविकोपार्जन से संबंधित कार्यक्रमों हेतु बांस संसाधन पर क्षमता वृद्धि कार्यक्रम

जागरूकता सह–कौशल विकास

अन्वेषण, रिपोर्टिंग एवं प्रमाणन में रेड्ड+ के साधनों पर प्रशिक्षण

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

16.	शीत मरूस्थलीय ऊंचाई वाले क्षेत्रों के औषधीय पादपों में जूनिपर एवं अन्य महत्वपूर्ण चौड़ी–पत्ती वाली प्रजातियों की नर्सरी तकनीक	14–15 नवम्बर 2017	हिमाचल प्रदेश वन विभाग के स्पीति एवं साराहरन के वन्यजीव प्रभाग के अधिकारियों एवं अग्रपंक्ति कर्मचारियों सहित 30 प्रतिभागी
17.	स्पीति घाटी, हिमाचल प्रदेश के सुरक्षित क्षेत्रों के इर्द–गिर्द रहने वाली झब्बा/फ्रिंज समुदायों के विकास की ओर एकीकृत प्रयास	20 से 22 नवम्बर 2017	स्पीति वन्यजीव प्रभाग हिमाचल प्रदेश के राज्य वन विभाग के फ्रिंज स्तर के समुदायों एवं अग्रपंक्ति कर्मचारिया सहित 18 प्रतिभागी

स्पीति घाटी के सुरक्षित क्षेत्रों में रहने वाले झब्बा/फ्रिंज समुदायों हेतु जीविकोपार्जन के विकास की ओर एकीकृत प्रयास पर प्रशिक्षण

शीत मरूस्थल एवं अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों के औषधीय पादपों (जूनिपर) एवं अन्य महत्वपूर्ण चौड़ी पत्ती वाली प्रजातियों की नर्सरी तकनीकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

18.	सोसाईटी फॉर प्रमोशन ऑफ वेस्टलेंड डेवलपमेंट (ए.पी.डब्लू.डी.) रांची द्वारा प्रायोजित ''लाख कृषि पर दो दिवसीय प्रशिक्षण	15–16 नवम्बर 2017	लातेहार जिला, झारखंड के 20 किसान

वन जैव–विविधता संस्थान, हैदराबाद

19.	वन आनुवंशिकी संसाधन मूल्यांकन, संरक्षण एवं प्रबंधन	1–3 नवम्बर 2017	
20.	कार्य योजना तैयार करने हेतु वन संसाधनों का आकलन	20–21 नवम्बर 2017	तेलंगाना राज्य वन विभाग के कर्मचारीगण
		27–30 नवम्बर 2017	कमारेड्डी एवं निजामाबाद के वन कर्मचारी

वानिकी अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास केंद्र, छिंदवाड़ा

21.	जैव विविधता संरक्षण एवं पर्यावरणीय जागरूकता	17 नवम्बर 2017	लिटिल स्टेप कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टैक्नोलोजी, बोरगौंन, तहसील सौसार, छिंदवाडा के छात्रों हेतु

कार्यशाला / सेमीनार / बैठकें

सं.	शीर्षक	समयावधि	लाभार्थी

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

1.	शोध एवं विकास हेतु पवनरोधी कृषि वानिकी प्रणाली–संभावनाये	30 नवम्बर 2017	

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

2.	वन पारिस्थितिकीय में कार्बन भण्डारण का अनुमानन	8 नवम्बर 2017	सभी अधिकारी / वैज्ञानिक / तकनीकी कर्मचारी / लिपिकीय कर्मचारी / शोधार्थी इत्यादि

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

3.	क्षेत्रीय शोध सम्मेलन एवं निदेशकों की बैठक	23 से 24 नवम्बर 2017	सभी भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के निदेशक

क्षेत्रीय शोध सम्मेलन एवं निदेशकों की बैठक

पवनरोधी कृषि वानिकी प्रणाली–शोध एवं विकास की संभावनाएं

वन पारितंत्र में कार्बन भण्डार का अनुमानन

राजभाषा समाचार

- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय–2), द्वारा सतलुज–जल विद्युत निगम लिमिटेड, शिमला में सदस्य कार्यालयों के कर्मचारियों/अधिकारियों हेतु दिनांक 24 नवम्बर 2017 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री नरेंद्र सिंह मेहरा, संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली 21 नवम्बर 2017 को शु.व.अ.सं., जोधपुर में विस्तार एवं प्रतिपादन केन्द्र एवं किसान गैलरी का दौरा किया। यह दौरा उन्होंने राजभाषा हिन्दी के कार्य एवं कार्यान्वयन से संबंधित पर्यवेक्षण के संबंध में किया।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने इरूलर जाति के 200 सदस्यों हेतु 20 से 21 नवम्बर, 2017 तक वृक्ष समृद्धित जैव वर्धक पर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।

पुरस्कार

- डॉ. ए. कार्तिकेयन, वैज्ञानिक ई, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने 7 नवम्बर 2017 को माननीय मंत्री पर्यावरण विभाग, तमिलनाडु सरकार से पर्यावरण पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पर पुरस्कार प्राप्त किया।

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला

संस्थान	सहभागी/संयोजक	समयावधि	स्थान
का.वि.प्रौ.सं, बंगलुरू	कृषि मेला	16–19 नवम्बर 2017	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरू
व.व.अ.सं., जोरहाट	किसान मेला	07 नवम्बर 2017	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, टिटाबोर
		23 नवम्बर 2017	गन्ना अनुसंधान केन्द्र बुरालिकसन, गोलाखाट

हि.व.अ.सं., शिमला	दूसरी हि.प्र., विज्ञान कांग्रेस	20 से 21 नवम्बर 2017	शिमला
व.उ.सं.,रांची	क्षेत्रीय प्रजातियों के आहार प्रर्दशनी सह मेला	11 नवम्बर 2017	नोयामुंडी, चैबासा, झारखंड़

बुरालिकसन, गोलाघाट में किसान मेला

क्षेत्रीय प्रजातियों के आहार पर प्रदर्शनी–सह–मेला

बंगलुरू में किसान मेला

विविध

संस्थान	विशेष दिवस / विषय वस्तु	समयावधि
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	03 नवम्बर 2017
व.अ.सं., देहरादून	संविधान दिवस	26 नवम्बर 2017
व.व.अ.सं., जोरहाट	स्वच्छता पखवाड़ा	01 से 14 नवम्बर 2017
ए.आर.सी.बी.आर., आईजाल	स्वच्छ भारत अभियान	01 से 30 नवम्बर 2017
हि.व.अ.सं., शिमला		29 नवम्बर 2017

व.अ.सं., देहरादून में संविधान दिवस

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

हि.व.अ.सं., शिमला में स्वच्छ भारत अभियान

आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना

कार्यक्रम शीर्षक	चैनल	दिनांक
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
जैव रंजकः वस्त्रों/खाद्य पदर्थों में प्रयुक्त एन.एफ. आर.पी.–155 एक सुरक्षित प्राकृतिक रंजक एवं पर्यावरण हितैषी है। लाल इमली के अव्ययों का जैव पर्याय के लिये चुनाव किया गया। उदाहरणार्थ– लाल इमली के फलों से विकसित जैव रंग लिपिस्टिक में प्रयुक्त किया गया।	दिनामलार एवं पुधया थलमुराई चैनल	11 नवम्बर 2017
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
पर्यावरण संरक्षण में वर्षा वनों का महत्व	आकाशवाणी, डिब्रूगढ़, असम	5 नवम्बर 2017

सूचना प्रौद्योगिकी पहल

- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने लाइव सर्वर पर ''सचिव कार्यालय हेतु सूचना प्रणाली'' अनुप्रयोग विकसित कर होस्ट किया है। अनुप्रयोग का यू आर एल http://esttmgmtsec.icfre.org. है।

अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप

- वन उत्पादकता संस्थान, रांची के वन अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने 02 नवम्बर 2017 को साल वृक्षों की समस्या पर विश्लेषणनीय अध्ययन हेतु पेताड़वार, बोकारो, झारखण्ड, वन प्रभाग के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया।

वन विज्ञान केंद्र एवं प्रर्दश ग्रामों के अंतर्गत कियाकलाप

- व.अ.सं., देहरादून ने वी.वी.के. के तहत 28 से 30 नवम्बर 2017 तक वन प्रशिक्षण अकादमी (एफ टी ए) हल्द्वानी (उत्तराखंड़) के अंतर्गत वन पंचायत सदस्यों एवं अन्य हितधारकों हेतु ''अकाष्ठ वन उपज एवं औषधीय पादपों के संवहनीय उपयोग'' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

मानव संसाधन समाचार

नाम एवं पदनाम	दिनांक
नियुक्ति	
प्रतिनियुक्तिः	
श्रीमती आरती चौधरी, भा.व.से., सी.एफ., व.अ.सं., देहरादून	15.11.2017
श्री एन सी सरवणन, भा.व.से, सहायक महानिदेशक, (अनुश्रवण एवं मूल्यांकन), भा.वा.अ.शि.प.	15.11.2017
श्री एस के थोमस, डिप्टी, सी एफ, व.अ.सं., देहरादून	15.11.2017

नाम एवं पदनाम	दिनांक
भा.वा.अ.शि.प. से प्रत्यावर्तन/कार्यमुक्ति	
श्री अनिल कुमार, हिन्दी अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	17.11.2017
सेवानिवृत्त	
डॉ. एन. रायचौधरी, वैज्ञानिक–जी, उ.व.अ.सं., जबलपुर	30.11.2017
डॉ. एम. बालाजी, वैज्ञानिक–ई, व.जै.सं., हैदराबाद	30.11.2017

संरक्षक :
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक

संपादक मंडल :
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),
श्री रमाकान्त मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एंव विस्तार)

अधिकार त्याग

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री संपादक मण्डल के विचारों को अनिवार्यतः प्रकाशित सामाग्री प्रतिबिंधित नहीं करती है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।